Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

एम0ए0 संस्कृत पूवार्ध

विषय: I- वैदिक भाषा तथा साहित्य **Maximum Marks : 30**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

Assignment- I

प्रश्न 1. इन्द्र देवता के स्वरूप की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न 2. शत्रुनाशन सूक्त का सार अपने शव्दो मे लिखिए ।

प्रश्न 3. शव्दो की नित्यता एवं अनित्यता की विवेचना कीजिए

प्रश्न 4. उपनिषद् साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।

प्रश्न 5. वेदो के रचनाकाल की विवेचना कीजिए।

Assignment- II

प्रश्न 1. पुरूष सूक्त का दार्शनिक महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2. "राष्ट्राभिवर्धनम सूक्त के माध्यम से वैदिक ऋषि अपने राष्ट्र की समृद्धि की कामना करते है"समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3. निघण्टु शब्द की व्युत्पत्तिजन्य विवेचना कीजिये।

प्रश्न 4 "ईशावार्स्यामदं सर्वं" कथन की विशद विवेचना कीजिए।

प्रश्न 5 ऋग्वेद कालीन संस्कृति की विवेचना कीजिए।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

एम0ए0 संस्कृत पूवार्ध

विषय: II- व्याकरण तथा निबंध **Maximum Marks : 30**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

Assignment- I

प्रश्न1 निम्नाकिंत सूत्रो की विभक्ति कारण सहित सिद्ध कीजिए।

1. प्रातिपदिकार्थ लि›परिमाणवचनमात्रे प्रथमा।
2. अकथितं च।

प्रश्न 2 निम्न सूत्रो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

1. रूच्यार्थानां प्रीयमाणः।
2. षष्ठी चानादरे।

प्रश्न 3 (अ) निम्नाकिंत कृत्य–प्रत्यय को सोदाहरण समझाइये।

1. घातोः
2. तव्यत्तव्यानीयरः

(ब) निम्नाकिंत सूत्रो को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

1. युवारनकौ।
2. निष्ठा

प्रश्न 4 (अ)निम्नाकिंत की व्याख्या कीजिए।

चत्वारि श्रृग्ङा त्रयो अस्य पादाद्वेशीर्षे सप्रहस्तासो अस्य।
त्रिद्या बद्धो वृषभो रोरवीति महोदेवो मर्त्याआविवेश।।

(ब) शब्द किसे कहते है?

प्रश्न 5 किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

1. भारतीय संस्कृतिः
2. संस्कृतभाषायाः महत्वम्

Assignment- II

प्रश्न1 निम्नाकिंत सूत्रो की विभक्ति कारण सहित सिद्ध किजिए।

1. अधिशाड्स्थासां कर्म।
2. साधकतमं करणम्।

प्रश्न 2 निम्न सूत्रो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

1. आधारोऽधिकरणम।
2. साधकतमं करणाम्।

प्रश्न 3 (अ) निम्नाकिंत कृत्य–प्रत्यय को सोदाहरण समझाइये।

1. भिदेलिमाः सरलाः
2. अचोयत्

(ब) निम्नाकिंत सूत्रो को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

1. आनेमुक्
2. रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य चदः।

प्रश्न 4 (अ) निम्नाकिंत की व्याख्या कीजिए।

किं पुनराकृतिः पदार्थः आंहोस्विद्ध द्रव्यम्

(ब)व्याकरण के अध्ययन के प्रयोजन बताइये

प्रश्न 5 किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

1. परोपकाराः
2. प्रेयान् कविः

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

एम0ए0 संस्कृत पूवार्ध

विषय: III- दर्शन **Maximum Marks : 30**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

Assignment- I

प्रश्न1 (अ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
'यस्य कार्यात् पूर्व भावो नियतोऽनन्ययासिद्धश्च तत्कारणम्'। यथा तन्तुवेमादिकं पटस्य कारणम्।
(ब) तर्कभाषा के अनुसार परामर्शज्ञान की तीन अवस्थाओ का वर्णन कीजिए।

प्रश्न2 (अ) निम्नाकिंत मे से किसी एक की व्याख्या कीजिए।
त्रिगुणमविवेकि विषयः सामान्यमचेतनं प्रसवधर्मि।
व्यक्तं तथा प्रधानं तद्विपरीतस्तथा च पुमान्।।
(ब) सांख्य के अनुसार 'पुरूष बहुत्वं' प्रक्रिया लिखिए।

प्रश्न3 (अ) ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।
यथा वृक्षाणां समष्ट्यभिप्रायेण वनमित्येकत्वव्यपदेशो यथा वा जलानां समष्ट्यभिप्रायेण जलाशय इति तथा नानात्वेन प्रतिभासमानानां जीवगताज्ञानानां समष्ट्यभि प्रायेण तदैकत्व व्यपदेशः।
(ब) 'तत्वमसि' इस महावाक्य की सिद्धि वेदान्त सार के अनुसार सदोहरण कीजिए।

प्रश्न4 (अ) भारतीय दर्शन के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया समझाइये।
(ब) आत्मा अथवा प्रमाण पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न5 जैन दर्शन के आधार पर कर्म के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

Assignment- II

प्रश्न1 (अ) सप्रसंग व्याख्या कीजिएः
ननु पररूपस्य परः समवायिकारणम् तेन तदगतस्येव कस्यचिद्धर्मस्य पटरूपं प्रति असमवायिकारणत्वमुचितम् तस्यैव समवायिकारण प्रत्यासन्न त्वात् न तन्तुरूपस्य तस्य समवायिकारण प्रत्यासत्यभावात्।
(ब) न्यायदर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण का उल्लेख करते हुए उसमें व्यक्ति की आवश्यकता का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न2 (अ) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिएः
प्रकृतेर्महांस्ततोऽहंकारस्तस्मात् गणश्च षोडशकः।
तस्मादपि षोडशकात् पश्चभ्यः पंच भूतानि।।
(ब) सांख्य के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया लिखिए।

प्रश्न3 (अ) ससन्दर्भ अनुवाद कीजिएः
अर्थ जीवन्मुक्त लक्षणमुच्यते। जीवन्मुक्तो नाम स्वस्वरूपाखण्ड ब्रह्म ज्ञानेन तदज्ञान बाघन द्वारा स्वस्वरूपा खण्डब्रह्मणि साक्षात्कृतेऽज्ञान तत्कार्य सश्चित कर्मसंशय विपर्ययादीनामपि बाधित्वादखिल बन्ध रहितो ब्रह्मनिष्ठः।।
(ब) वेदान्त सार के अनुसार पचकृत प्रक्रिया को समझाइये।

प्रश्न4 (अ) भारतीय दर्शन में मोक्ष का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।
(ब) ब्रह्म अथवा जीव पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न5 चार्वाक् दर्शन का सामान्य परिचय देते हुए चार्वाक सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

एम0ए0 संस्कृत पूवार्ध

विषय: IV- पालिकृत एवं भाषा विज्ञान **Maximum Marks : 30**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
2. दोनों सत्रीय प्रश्न पत्र में से किसी एक प्रश्नपत्र को हल करना अनिवार्य है।
3. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं के स्थान पर A4 साईज के सादे कागज पर छात्र द्वारा लिखे जायेंगे जिन पर क्षेत्रीय निदेशक के हस्ताक्षरित मुहर अंकित किया होना अनिवार्य है।
4. सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2011 है।
5. सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाओं को जमा करने की रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

Assignment- I

प्रश्न 1 अनुवाद कीजिए:

अतीते बाराणसिमं ब्रह्मदन्ते रज्जं कारेन्ते बोधिसत्रो मोरयोनियं निब्बत्रित्वा बुद्धि अन्वाय सोभग्गप्पत्तो अरज्जे विचरि। तदा एकच्चे बागिजा दिसा काकं गहेत्वा नावाय बावेरूरट्ठ अगमंसु। तस्मि फिर काले बावेरूरट्ठसेकुणा नाम नत्थिा आगतागता रट्ठवासिनो तं कूपग्गे निसिन्नं दिस्वा पस्सथिमस्स छविवळां गलपरियोसानं मुखतुण्डकं मणिगुलसदि साणि अक्खीनीति। कांक एव पसंतित्वा ते–वाणिजकेपव अय्यो सकुणं अम्हाकं देय अम्हाकं हि इमिना अत्पों, तुम्हे अत्रनो रट्ठे अज्जे लभिस्सथांति।

प्रश्न2 निम्नांकित की सप्रसंग अनुवाद कीजिए।

सहि ईरिसि बिअ गई मा रूव्वसुतिरिअवलिअमुहअंद।
एआणॅ बालबालुंकितंतुकुडिलाणँ पेम्माणं।।

प्रश्न3 'संदेशरासकम्' का सारांश अपने शब्दो मे लिखिए।

प्रश्न4 भाषा की परिभाषा देते हुए उसका स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न5 अर्थविज्ञान के सिद्धान्त को समझाइये

Assignment- II

प्रश्न 1 अनुवाद कीजिए।

दीघा जागरतो रत्ती दीघं सन्तस्स योजनं।
दीघं बालानं संसारो सद्धम्मं अवि जानतं।।

प्रश्न2 निम्नांकित की सप्रसंग अनुवाद कीजिए।

'रावणवहो' का सारांश अपने शब्दो में लिखिए।

प्रश्न3 अपभ्रंश भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न4 ध्वनियन्त्र क्या है। विस्तार से समझाइये।

प्रश्न5 वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में साम्य एवं वैषम्य बताइये।